बी.ए. पाठ्यक्रम

III & IV SEMESTER

(वर्ष 2023—24)

(NEP-2020)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Proposed Course Structure of the Academic Programme with Multiple Entry - Multiple Exit Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020

B.A. III & IV SEM (Hindi)
(2023-24)

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L6	IIIrd	Discipline Specific : Major-1	HIN-DSM-311	हिन्दी कहानी और उपन्यास	6
		Multi Disciplinary : Major-2	HIN-MDM-311	प्रयोजनमूलक हिन्दी	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN-AEC-311	हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	2
	IVth	Discipline Specific : Major-3	HIN-DSM-411	हिन्दी की अन्य गद्य विधायें	6
		Multi Disciplinary : Major-4	HIN-MDM-411	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	6
		Skill Enhancement Course (AEC)	HIN-SEC-411	हिन्दी पत्रकारिता लेखन : इतिहास और स्वरूप	2

Exit with Diploma

Level-8

हिन्दी विभाग

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

Discipline Specific Major-1

HIN-DSM-311 (हिन्दी कहानी और उपन्यास)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-III	HIN-DSM-311	हिन्दी कहानी और उपन्यास	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Ashutosh Mishra

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी तथा साहित्य की प्रमुख विधा कहानी एवं उपन्यास के उद्‌भव और उसकी विकास–यात्रा की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी विभिन्न कालखण्ड के कहानीकारों की कहानियों के पाठ, व्याख्या और आलोचना के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि समस्याओं से अपने जीवन में एक नया आयाम ढूढ़ सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्‌यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	हिन्दी कहानी की विकास–यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
CO2	चयनित कहानियों में उसने कहा था, दो बैलों की कथा एवं रोज कहानी का अध्ययन कर सकेंगे।
CO3	चयनित कहानियों में सलाम, पगहा जोरी जोरी रे घटो एवं बोलने वाली औरत कहानी का अध्ययन कर अपनी आलोचना दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।
CO4	हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO5	चयनित उपन्यास रागदरबारी का समीक्षात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 **हिन्दी कहानी** : विकास, प्रवृत्तियां और स्वरूप **(18 व्याख्यान)**

विभिन्न युग और प्रमुख कहानी

इकाई–2 **कहानी : व्याख्या और आलोचना** **(18 व्याख्यान)**

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

दो बैलों की कथा – प्रेमचंद

रोज – अज्ञेय

इकाई–3 कहानी : व्याख्या और आलोचना **(18 व्याख्यान)**

सलाम – ओम प्रकाश वाल्मीकि

पगहा जोरी जोरी रे घटो – रोज केरकट्टा

बोलने वाली औरत – ममता कालिया

इकाई–4 हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप **(18 व्याख्यान)**

इकाई–5 उपन्यास : व्याख्या और आलोचना **(18 व्याख्यान)**

रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल

आधार ग्रन्थ :

- रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
- एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- बोलने वाली औरत – ममता कालिया
- श्रेष्ठ हिन्दी कहानियाँ – संपादक स्वयंप्रकाश

सहायक ग्रन्थ :

- प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, तुर्कमान गेट, दिल्ली
- हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान, रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- कहानी स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- इक्कीसवी सदी का पहला दशक और हिन्दी कहानी : सूरज पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी कथासाहित्य एक दृष्टि : सत्यकेतु सांकृत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता : वीरेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Level-8

हिन्दी विभाग

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

Multi Disciplinary Major-2

HIN-MDM-311 (प्रयोजनमूलक हिन्दी)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-III	HIN-MDM-311	प्रयोजनमूलक हिन्दी	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रयोजनमूलक हिन्दी के सिद्धांत, प्रविधि, स्वरूप और उसकी विशेषताओं की समझ विकसित करना है।
- इसके माध्यम से वे भाषा के विविध रूपों और उसकी उत्पत्ति के संक्षिप्त परिचय का बोध प्राप्त करने के साथ–साथ अपने जीवन में, सरकारी कार्यालयों में निबन्ध एवं पत्र लेखन का उपयोग जान सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	भाषा के विविध रूपों एवं हिन्दी भाषा की संवैधानिक स्थिति को जान सकेंगे।
CO3	हिन्दी भाषा के उद्भव एवं विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO4	सरकारी पत्राचार के विभिन्न प्रकारों से परिचित हो सकेंगे।
CO5	सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 प्रयोजनमूलक हिन्दी **(18 व्याख्यान)**

आशय, सिद्धांत, प्रविधि, स्वरूप एवं विशेषताएँ

इकाई–2 भाषा के विविध रूप **(18 व्याख्यान)**

राजभाषा, राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा, सम्पर्क भाषा, भारतीय भाषाओं की संवैधानिक स्थिति

इकाई–3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति **(18 व्याख्यान)**

हिन्दी भाषा का संक्षिप्त परिचय, हिन्दी की विशेषताएं

इकाई–4 सरकारी पत्राचार के प्रकार **(18 व्याख्यान)**

सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, राजपत्र, संकल्प अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रतिवेदन

इकाई–5 सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिन्दी के प्रकार **(18 व्याख्यान)**

सार लेखन या संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन

सहायक ग्रन्थ :

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रमेश तरुण, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
- सरकारी कार्यालयों में हिन्दी प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : राजनाथ भट्ट, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी, सुधीश पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक संचार, डॉ. मुक्तिनाथ एवं अर्चना शर्मा
- हिन्दी बेव साहित्य, डॉ. सुनील कुमार लवरे

Level-8

हिन्दी विभाग

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

Ability Enhancement Course (AEC)

HIN-AEC-311 (हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-III	HIN-AEC-311	हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	Dr. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यमों के अभिप्राय, स्वरूप और उसकी अवधारणा की समझ विकसित होगी, जिससे वह अपने जीवन में संचार माध्यम का समुचित अनुप्रयोग कर सकेगा और अपने जीवन शैली को सरल बना सकेगा।
- विद्यार्थी समाचार लेखन, विज्ञापन लेखन, धारावाहिक लेखन, पोस्टर निर्माण, कार्टून आदि के अध्ययन के द्वारा स्वयं के लिए रोजगार के अवसर विकसित करेगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	जनसंचार के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	जनसंचार माध्यम के उपयोग और महत्व को समझ सकेंगे।
CO3	जनसंचार माध्यमों के लेखन की दुनिया से परिचित हो सकेंगे।
CO4	जनसंचार के वैकल्पिक माध्यमों के निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO5	जनसंचार के आधुनिक आयामों में शुमार सोशल साइट्स फेसबुक इत्यादि के अध्ययन से हिन्दी वेब साहित्य कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की दुनिया से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 जनसंचार : अभिप्राय, स्वरूप एवं विस्तार **(10 व्याख्यान)**
जनसंचार माध्यम, जनसंचार माध्यमों में लेखन, प्रभाव एवं क्षेत्र

इकाई–2 जनसंचार माध्यमों का विकास, उपयोगिता एवं महत्व **(10 व्याख्यान)**
जनसंचार माध्यमों का वर्गचरित्र और सम्प्रेषण
जनमाध्यमों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक भूमिका

इकाई–3 समाचार लेखन, फीचर लेखन, समाचार शीर्षक, पेजमेकिंग **(10 व्याख्यान)**

सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन, फीडबैक

रेडियो एवं टी.वी. लेखन, विज्ञापन लेखन, फिल्म लेखन

इकाई–4 जनसंचार के वैकल्पिक माध्यम : अभिप्राय, विकास और महत्व **(10 व्याख्यान)**

पोस्टर निर्माण, कोलाज, कार्टून, होर्डिंग

संगीत, नुक्कड़ नाटक, गीति–नाटिका, प्रहसन आदि

इकाई–5 जनसंचार के आधुनिक आयाम **(10 व्याख्यान)**

सोशल साइट्स : आरकुट, ट्विटर, फेसबुक, ब्लाग का समसामयिक महत्व एवं उपयोग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में बेवसाहित्य की भूमिका, कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की उपयोगितता एवं महत्व

आधार ग्रन्थ :

- हिन्दी वेबसाहित्य : सुनील कुमार लौवटे, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- संस्कृति, विकास और संचार क्रांति : पी.सी. जोशी, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
- मीडिया का यथार्थ : डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया लेखन : सिद्धान्त और प्रयोग : मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया साहित्य और संस्कृति : माधव हाड़ा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया, बाजार और लोकतंत्र : संपादक पंकज विष्ट, भूपेश सिंह, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया मिथ और समाज : रामशरण जोशी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- भारत में जनसंचार और प्रसारण माध्यम : मधुकर लेले, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- मीडिया की अंडरवर्ल्ड : दिलीप मंडल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- टेलीविजन लेखन : असगर वजाहद, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- मंडी में मीडिया : विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी : सुधीश पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक संचार : डॉ. मुक्तिनाथ एवं अर्चना शर्मा

Level-8

हिन्दी विभाग

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Discipline Specific Major -3

HIN-DSM-411 (हिन्दी की अन्य गद्य विधायें)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-IV	HIN-DSM-411	हिन्दी की अन्य गद्य विधायें	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Afroz Begum

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी गद्य–विधाओं–निबन्ध, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य, डायरी एवं आत्मकथा के पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ के विविध पहलूओं की समझ विकसित करना है।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी इसे बारीकी से समझते हुए व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने का प्रयास करेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	चयनित निबन्धों के अध्ययन से विद्यार्थी निबन्ध विधा की उपयोगिता समझ सकेंगे।
CO2	चयनित संस्मरणों के अध्ययन से विद्यार्थी संस्मरण की सामाजिक उपादेयता समझ सकेंगे।
CO3	चयनित जीवनी एवं यात्रा वृत्तांत के अध्ययन से विद्यार्थी अपने जीवन में जीवनी एवं यात्रा लेखन के महत्व को समझ सकेंगे।
CO4	चयनित व्यंग्य एवं एकांकी लेखन के अध्ययन से विद्यार्थी समाज की विद्रूपताओं को समझ सकेंगे।
CO5	चयनित डायरी एवं आत्मकथा लेखन के अध्ययन से विद्यार्थी स्वयं के जीवन की दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 निबन्ध : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ (18 व्याख्यान)

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु
श्रद्धा और भक्ति – रामचन्द्र शुक्ल

इकाई–2 संस्मरण : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ (18 व्याख्यान)

जंग बहादुर : संस्मरण – महादेवी वर्मा
नंगातलाई का गाँव (नंगातलाई का गाँव पुस्तक से) – विश्वनाथ त्रिपाठी

इकाई–3 जीवनी एवं यात्रा वृत्तांत : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ (18 व्याख्यान)

विष्णु प्रभाकर (जीवनी) – आवारा मसीहा (आरंभिक प्रसंग)

सौन्दर्य की नदी नर्मदा (यात्रावृतांत) – अमृत लाल बेगड़

इकाई–4 व्यंग्य एवं एकांकी : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ (18 व्याख्यान)

सदाचार का ताबीज (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

स्ट्राइक (एकांकी) – भुवनेश्वर

इकाई–5 डायरी एवं आत्मकथा : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ (18 व्याख्यान)

बंजारा मन और बंदिसे (डायरी) – मधु काकरिया

जिव तरसे मिलन को (कस्तूरी कुण्डल बसै : आत्मकथा अंश) – मैत्रेयी पुष्पा

आधार ग्रन्थ :

- भारतेन्दु ग्रंथावली, प्रचारक संस्थान, वाराणसी
- चिन्तामणि भाग–1, रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अतीत के चलचित्र, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सौन्दर्य की नदी नर्मदा, अमृतलाल बेगड़, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी
- आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
- नंगा तलाई का गाँव, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- सदाचार का ताबीज, हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कस्तुरी कुण्डल बसै, मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- हिंदी गद्य का विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- निबंधों की दुनिया, विजयदेवनाराणा साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- निबंधों की दुनिया, शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य, विश्वनाथप्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Level-8

हिन्दी विभाग

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Multi Disciplinary Major- 4

HIN-MDM-411 (हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-IV	HIN-MDM-411	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के द्वारा विद्यार्थियों में भाषा और व्याकरण से सम्बन्धित सम्यक ज्ञान का विकास हो सकेगा, जिससे उनमें अभिव्यक्ति के स्तर पर अशुद्धि न होने की संभावना होगी।
- इससे विद्यार्थियों का लेखन कार्य शुद्ध, स्पष्ट एवं उनकी शैली आकर्षक और रूचिकर होगी।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भाषा और व्याकरण के संबंध से परिचित हो सकेंगे।
CO2	हिन्दी वर्णमाला और हिन्दी की शब्द सम्पदा से परिचित हो सकेंगे।
CO3	हिन्दी के व्याकरणिक व्यवहार से परिचित हो सकेंगे।
CO4	हिन्दी के शब्द निर्माण को समझ सकेंगे।
CO5	हिन्दी में होने वाले वाक्य निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 भाषा और व्याकरण **(18 व्याख्यान)**

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, व्याकरण की परिभाषा, महत्व, भाषा और व्याकरण का अन्तःसंबंध

इकाई–2 हिन्दी वर्णमाला और शब्द सम्पदा **(18 व्याख्यान)**

शब्दों के भेद–तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशी (स्रोत के आधार पर) एवं उपसर्ग, प्रत्यय एवं शब्द और पद में अन्तर और अशुद्धियां

इकाई–3 व्याकरण व्यवहार **(18 व्याख्यान)**

व्याकरणिक श्रेणियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण और क्रिया विशेषण और लिंग, वचन, कारक आदि)

इकाई–4 शब्द निर्माण **(18 व्याख्यान)**

संधि, समास, मुहावरे, लोकोक्तियां और पारिभाषिक शब्दावली

इकाई–5 हिन्दी वाक्य परिचय **(18 व्याख्यान)**

कर्ता, कर्म, वाक्य के अंग–उद्देश्य और विधेय, वाक्य के भेद, वाक्यगत अशुद्धियां एवं विराम चिन्ह

सहायक ग्रन्थ :

- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली
- हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन
- भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद

Level-8

हिन्दी विभाग

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-AEC-411 (हिन्दी पत्रकारिता लेखन : इतिहास और स्वरूप)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-8 SEM-IV	HIN-SEC-411	हिन्दी पत्रकारिता लेखन : इतिहास और स्वरूप	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	Dr. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- पत्रकारिता लेखन हिन्दी साहित्य की महत्वपूर्ण धुरी रही है। इसके माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर पत्रलेखन कला एवं कौशल–क्षमता का विकास होगा और उनके जीवन में पत्रकारिता सम्बन्धित रोजगार सरलता से मिलने की संभावना बनी रहेगी।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी को फिल्म समीक्षा, प्रूफ रीडिंग, श्लोगन लेखन, पम्पलेट लेखन आदि विविध रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	पत्रकारिता लेखन का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
CO2	हिन्दी पत्रकारिता लेखन के व्यावहारिक क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे।
CO3	हिन्दी पत्रकारिता लेखन की रचनात्मक दृष्टि को समझ सकेंगे।
CO4	हिन्दी पत्रकारिता लेखन की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO5	हिन्दी पत्रकारिता लेखन के विभिन्न क्षेत्रों एवं स्वरूपों का अध्ययन कर परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 हिन्दी पत्रकारिता लेखन : सामान्य परिचय **(10 व्याख्यान)**

पत्रकारिता लेखन : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व, पत्रकारिता लेखन के प्रमुख तत्व, पत्रकारिता लेखन के उद्देश्य

इकाई–2 हिन्दी पत्रकारिता लेखन : व्यवहार और क्षेत्र **(10 व्याख्यान)**

फीचर, संपादकीय, रिर्पोटिंग, कालम लेखन, डमी, लेआउट एवं शीर्षक लेखन

इकाई–3 हिन्दी पत्रकारिता लेखन का रचनात्मक पहलू **(10 व्याख्यान)**

पत्रकारिता लेखन की भाषा, वैचारिक दृष्टि, विषयवस्तु, साहित्यिक लेखन, प्रचार सामग्री लेखन, फिल्म समीक्षा, महिला–लेखन, बाल साहित्य एवं खेल संबंधी लेखन

इकाई–4 हिन्दी पत्रकारिता लेखन की प्रक्रिया **(10 व्याख्यान)**

पत्रकारिता लेखन के आधार–अनुकूल परिस्थितियां, विषय का ज्ञान, अभ्यास, रचना प्रक्रिया विषय वस्तु का चयन, लेखन कार्य का पठन एवं आवश्यक सुधार, प्रूफ रीडिंग

इकाई–5 हिन्दी पत्रकारिता लेखन के रूप **(10 व्याख्यान)**

साहित्यिक पत्रकारिता, राजनीतिक पत्रकारिता, आंचलिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता

सहायक ग्रन्थ :

- पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण : कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी पत्रकारिता के नये प्रतिमान : बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- सूचना प्रौद्योगिकी एवं पत्रकारिता : अशोक मलिक, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
- हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और सुन्दर : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी पत्रकारिता की शब्द सम्पदा, डॉ. बदरीनाथ कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी, पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
- हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी